महत्वपूर्ण एवं खास

10 लीटर महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

» मोटर सायकल पर शराब परिवहन कर रहा था आरोपी, कोसीर पुलिस की कार्रवाई

रायगढ़। कोसीर थाने में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक समयलाल सोनवानी हमराह आरक्षक के साथ ग्राम भ्रमण लॉकडाउन ड्यूटी पर थे। ग्राम मल्दा में पेट्रोलिंग स्टाफ को मुखबिर से सूचना मिला कि ग्राम दहिदा का गंगा राम बनज अपने मोटर सायकल में महुआ शराब लेकर ग्राम नावापारा की ओर बिक्री करने गया है। सूचना पर कोसीर पुलिस ग्राम नावापारा प्राथमिक शाला के पास संदेही का इंतेजार किया गया, कुछ देर पश्चात् ग्राम दहिदा का गंगा राम बनज अपने मोटर सायकल क्रमांक सीजी-13एआर- 4128 में शराब लेकर आता मिला। आरोपी गंगा राम बनज पिता राजा राम बनज उम्र 31 वर्ष साकिन दहिदा थाना कोसीर के पास से दो 5-5 लीटर वाली प्लास्टिक की जरकिन में 10 लीटर महुआ शराब बरामद हुआ। आरोपी से अवैध शराब व शराब परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर आरोपी के विरूद्ध 32(2),59(क) आबकारी एक्ट की कार्यवाही की गई है।

धरमजयगढ़ में लाकडाउन के उल्लंघन पर कार्रवाई

धरमजयगढ़। पुलिस की पेट्रोलिग पार्टी द्वारा पेट्रालिंग दौरान धरमजयगढ बस स्टैंड में हैप्पी जनरल स्टोर के संचालक गोपाल अग्रवाल पिता साधुराम अग्रवाल उम्र 48 वर्ष सा0 पतरापारा धरमजयगढ को लॉकडाउन का उल्लंघन कर किराना दुकान को खोलकर सामानों की बिक्री करते पाये जाने पर संचालक के विरूद्ध धारा 269,270 भादवि की कार्यवाही की गई है।

प्रदेश में दोपहर 3 बजे तक 18 से 44 साल तक के उम्र वाले 3603 लोगों को लगा टीका

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में 18 से 44 साल तक उम्र वाले लोगों के लिए टीकाकरण का आज दूसरा दिन है। दूसरे दिन दोपहर 3 बजे तक 3603 लोगों को टीका लगाया जा चुका है। इनमें क्रमशः बालोद 155, बलौदाबाजार 83, बलरामपुर 94, बस्तर 384, बीजापुर 56, बिलासपुर 144, दंतेवाड़ा 119, धमतरी 78, दुर्ग 123, गरियाबंद 30, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही 50, जांजगीर-चांपा 84, जशपुर 131, कबीरधाम 197, कांकेर 157, कोंडागांव 97, कोरबा 148, कोरिया 95, महासमुंद 121, मुंगेली 298, नारायणपुर 23, रायगढ़ 376, रायपुर 77, राजनांदगांव 177, सुकमा 65, सूरजपुर 126 तथा सरगुजा में 115 लोगों को टीका लगाया गया।

छत्तीसगढ़ में कोरोना टीकाकरण धीरे-धीरे जन आंदोलन का रूप

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर में कोविड मरीजों को अस्पतालों में सभी प्रकार के बेड पर्याप्त संख्या में उपलब्ध है। अब रायपुर में समय पर अस्पतालों में पर्याप्त बेड की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है।कोविड संक्रमण से बचाव एवं उपचार की स्थिति अब पहले से बेहतर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में रायपुर जिले में सामान्य बेड 988 हैं जिसमे 767 बेड रिक्त हैं, आक्सीजन बेड 2170 जिसमे 1150 बेड रिक्त, एच डी यू बेड 584 जिसमे 333 रिक्त, आई सी यू बेड 1024 में से 374 बेड रिक्त, वेंटिलेटर बेड 346 में से 131 बेड रिक्त हैं। उल्लेखनीय है कि cgcovidjansahayta.com में हॉस्पिटल में बेड की उपलब्धता की स्थिति के बारे में अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वैक्सीनेशन सेंटर में फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करा रहे थाना प्रभारी

सरिया पुलिस ने वैक्सीन लगाने आये लोगों को किया प्रोत्साहित, बिस्किट व पानी बॉटल बांटे

रायगढ़। राज्य शासन के आदेशानुसार माह मई के प्रथम सप्ताह से अंत्योदय राशनकार्डधारी पात्र 18 से अधिक उम्र के व्यक्तियों का पहले टीकाकरण होने जा रहा है। वैक्सीनेशन सेंटर में अव्यवस्था न हो इसके लिये थानाक्षेत्र अन्तर्गत बनाये गये वैक्सीनेशन सेंटर में सुरक्षा व्यवस्था हेतु थाना प्रभारीगण, स्टाफ के साथ जाकर लोगों को फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करने एवं व्यवस्था बनाये रखने में मेडिकल स्टाफ का सहयोग करने की हिदायत दी गई। सरिया थानाक्षेत्र अन्तर्गत बनाये गये वैक्सीनेशन सेंटर में सरिया थाना स्टाफ द्वारा वैक्सीनेशन के लिये आये व्यक्तियों को बिस्किट व पानी बॉटल देकर उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

आज सुबह पुलिस चौकी जोबी क्षेत्र अन्तर्गत मास्क के प्रति प्रेरणा देती वृद्ध महिला की तस्वीर चौकी प्रभारी जोबी सहायक उप निरीक्षक प्रेमसाय भगत द्वारा पुलिस व्हाटसअप ग्रुप में शेयर किया गया। चौकी प्रभारी बताये कि आज सुबह पेट्रोलिंग दौरान खम्हार जंगल रोड़ किनारे एक अकेली वृद्ध महिला कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए मास्क लगाये जमीन से चार फल उठा रही थी। वृद्ध महिला आरती बाई चौहान पति स्वर्गीय तिहारू राम उम्र लगभग 65 साल निवासी खम्हार की रहने वाली है। अकेले जीवन यापन करने की जानकारी मिलने पर चौकी प्रभारी वृद्ध महिला को सूखा राशन प्रदाय किया गया।

लॉकडाउन में लगातार पुलिस जरूरतमंदों को फूड पैकेट, ड्राई फूड का वितरण कर रही है। आज सुबह सुभाष चौक पर कोतवाली थाने के सहायक उप निरीक्षक दिलीप बेहरा एवं पाइंट ड्यूटी के स्टाफ द्वारा असहाय, घूमंतू लोगों में खिचड़ी का वितरण किया गया। शहर के साथ ही अनुविभाग थानाक्षेत्र में पुलिस टीमें लगातार शादी घरों में जाकर कोविड गाइडलाइन का पालन करने की समझाइश दी जा रही है। इसी क्रम में आज ग्राम राबो और गुड़गुड़ में पूंजीपथरा टीआई शादी घर जाकर कोरोना दिशा निर्देशों का पालन करने की समझाइस दिया गया।

धान कटाई पर कोरोना का असर, फसल पक कर हो गया तैयार इधर किसानों की बढ़ी परेशानी

महासमुंद (आरएनएस)। धान कटाई पर कोरोना का असर दिख रहा है । फसल पक कर तैयार हो गए है, लेकिन लॉकडाउन के चलते मजदूर नहीं मिल रहे हैं । इस बार कटाई को लेकर लेट लतीफी होगी । पिछले साल लॉकडाउन में जैसे तैसे कटाई तो हो गई थी, लेकिन इस साल कोरोना की दूसरी लहर इतनी खतरनाक है कि लोग डर के बाहर नहीं निकल रहे हैं । ऐसी स्थिति को देखकर किसानों की परेशानी बढ़ गई है । इस महीने यदि फसलों की कटाई नहीं होगी, खरीफ फसल की तैयारियों में भी देरी होगी । सबसे बड़ी परेशानी हार्वेस्टर नहीं मिलने की है । लॉकडाउन में हार्वेस्टर भी गांव नहीं पहुंच रहे हैं । दूसरे राज्यों से आने वाले हार्वेस्टर चलाने वाले लॉकडाउन के कारण नहीं पहुंच पाए हैं । कटाई को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है । इधर, बारिश के भी संभावना है, ऐसे में पकने वाले फसलों को नुकसान पहुंच सकता है । रबी सीजन में 42 हजार हेक्टयेर में फसल ली गई है । इसमें 39 हजार हेक्टेयर में किसानों ने धान ली है । शेष हेक्टेयर में दलहन, तिलहन एवं अन्य फसलें ली है । इधर, कृषि विभाग के उप संचालक एसआर डोंगरे का कहना है कि फसलों की कटाई अब प्रारंभ तो हो गया है, लेकिन किसानों को मजदूर नहीं मिल पा रहे हैं । यदि समय पर फसलों की कटाई नहीं हुई तो, फसलों पर कीट पड़ने की संभावना है, वहीं खरीफ फसल की तैयारी में किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा ।

सरायपाली ब्लॉक के ग्राम गहनाखार के किसान राम दयाल पटेल ने बताया कि वर्तमान में लॉकडाउन चल रहा है । धान की फसल पककर तैयार हो गई है । कटाई के लिए हार्वेस्टर वालों का इंतजार कर कर हैं, ताकि वे आए और जल्द से जल्द कटाई करें, क्योंकि कटाई के लिए मजदूर नहीं मिलते हैं । मजदूरों के नहीं होने से परेशानी बढ़ जाती है । पिछले पांच से छह साल हो गए हार्वेस्टर से ही कटाई करा रहे हैं ।

ग्राम सिंघनपुर के किसान जितेन्द्र चौधरी ने बताया कि लॉकडाउन के चलते मजदूरों का टोटा बना हुआ है । कोरोना की दूसरी लहर इतनी भयावह है कि मजदूर भी घर से बाहर नहीं निकल रहे हैं । मनरेगा के तहत काम करने वाले मजदूर भी अपने-अपने घरों में है ।

होम आईसोलेटेड कोविड मरीजों से टेलीकॉलिंग से हेल्थ अपडेट लेने निजी डॉक्टरों से सहयोग की अपील

» इच्छुक डॉक्टर दे सकते है अपनी सेवायें

रायगढ़ । कोविड-19 संक्रमित मरीजों को होम आइसोलेशन कि सुविधा दी जाती है एवं डॉक्टरों द्वारा टैली कॉलिंग के माध्यम से उनका नियमित हेल्थ अपडेट लिया जाता है। चूंकि अभी मरीजों कि संख्या में काफी वृद्धि हो गई है, जिसके कारण टेलीकॉलिंग करने वाले डॉक्टर्स के पास हेल्थ अपडेट लेने के लिए मरीजों की संख्या भी बढ़ गयी है। ऐसी परिस्थिति में यदि कोई डॉक्टर स्वेच्छा से सहयोग करना चाहता है तो वह स्वास्थ्य विभाग के होम आइसोलेशन के नोडल डॉ राजेश मिश्रा से उनके नंबर 8236071998 में संपर्क कर सकता है।

टेलीकॉलिंग के लिए एमबीबीएस, बीडीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस, बीयूएमएस, फिजियोथेरेपिस्ट किसी भी पद्धति के चिकित्सक अपनी सेवा दे सकते है। उनको अलॉटेड मरीज को 10 दिन तक दिन में दो बार फोन में बात करके उनके स्वास्थ्य के बारे में अपडेट लेना है। जिसमें उनके ऑक्सीजन लेवल, पल्स, तापमान और स्वास्थ्य संबंधी अन्य जानकारी लेना है और रिकॉर्ड करके रखना है। जिससे कि यदि उस मरीज की तबीयत खराब होने कि स्थिति में उसे अस्पताल शिफ्ट किया जाता है तो समय पर अस्पताल में वह जानकारी भेजी जा सके।

टेलीकॉलिंग के दौरान मरीज बताता है कि उसकी तबीयत खराब हो रही है और उसे अस्पताल शिफ्टिंग की जरूरत है तो यह जानकारी कंट्रोल रूम में देनी है। इस संकट के समय में टेलीकॉलिंग के लिए निः शुल्क सेवा देने के इच्छुक चिकित्सक संपर्क करें। जिला प्रशासन कि तरफ से सहयोग करने वाले चिकित्सकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

वैक्सीन से कोरोना के विरुद्ध रोग प्रतिरोधक क्षमता को मिलती है मजबूती

» टीके का दूसरा डोज समय पर लेना जरूरी

रायगढ़ । कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण एक अत्यंत महत्वपूर्ण व बेहद जरूरी उपाय है। इससे कोविड के विरुद्ध शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती मिलती है। कोविड का उपचार कर रहे विशेषज्ञ चिकित्सकों के अनुसार कोरोना संक्रमण की रोकथाम में कोविड-19 वैक्सीन अत्यधिक असर कारक है। वैक्सीन की दोनों डोज लगने से शरीर का इम्यून सिस्टम और मजबूत होता है इसलिए सभी लोगों को जिन्होने कोविशील्ड की पहली डोज ली है उसके 6 सप्ताह बाद दूसरी डोज और को-वैक्सीन की पहली डोज के 28 दिन बाद दूसरी डोज अवश्य लेना चाहिए। वैक्सीन की दोनों डोज लगाने के बाद संक्रमित होने के मामले बहुत कम आए हैं। वैक्सीन की दोनों डोज लगने के बाद यदि संक्रमण होता है तो वायरल लोड कम होता है और गंभीर स्थिति की संभावनाएं या अस्पताल में भर्ती होने की संभावना न्यूनतम रहती है। विशेषज्ञों का कहना है कि दूसरी डोज लगाने के 14 दिन बाद शरीर में पर्याप्त मात्रा में एंटीबाडी बनती है और हमारा प्रतिरक्षात्मक तंत्र मजबूत होता है। लेकिन वैक्सीनेशन करवाने के पश्चात भी संक्रमण से बचाव के लिए कोविड अनुकूल व्यवहार का पालन करना बेहद जरूरी है। हमेशा मास्क लगाना, भीड़ से बचना और हाथों को नियमित रूप से साबुन से धोना या सेनेटाइज करना अत्यंत आवश्यक है। कोविड टीकाकरण के तहत फिलहाल कोविशिल्ड और कोवैक्सीन ये दो टीके लगाए जा रहे हैं। लाभार्थी को पहले डोज में जो टीका लगा है दूसरे में भी वही टीका लगाया जाएगा। कोविशील्ड टीके की दूसरी खुराक पहले खुराक के 6 से 8 सप्ताह के बीच तथा को-वैक्सीन टीके की दूसरी खुराक 28 दिन बाद लगवा लेनी चाहिए। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी।

दूसरे डोज के लिए फिर से रजिस्ट्रेशन की नहीं पड़ेगी जरूरत

डीआईओ डॉ.भानु पटेल ने बताया कि टीके की दूसरी डोज लेने के लिए फिर से किसी प्रकार के रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं होगी। दूसरा टीका लगवाने के लिए पहला टीका लगने के बाद जो सर्टिफिकेट मिला है उसके साथ उस दौरान जो फोटो पहचान पत्र लाभार्थी लेकर गए थे, उसे लेकर जाना होगा। उक्त जानकारी तथा मोबाइल नंबर के आधार पर हेल्थ विभाग के डेटाबेस से लाभार्थी की डिटेल मैच कर दूसरा टीका लगाया जा सकेगा। लाभार्थी को अपना फोटो पहचान पत्र अनिवार्य रूप से टीकाकरण के लिए लेकर जाना होगा तथा पहले टीका लगाने के दौरान जो फोन नंबर दिया था उसकी जानकारी भी देनी होगी।

कोड़ेकुर्से थाने में पदस्थ सहायक आरक्षक चार दिनों से लापता

» आपसी रंजिश की आशंका तीन संदिग्ध हिरासत में

कांकेर (आरएनएस)। जिले के धुर नक्सल प्रभावित कोड़ेकुर्से थाने में पदस्थ सहायक आरक्षक पिछले चार दिनों से लापता है। लापता आरक्षक की बाइक धुर नक्सल प्रभावित इलाका कांकेर और राजनांदगांव की सीमा में लावारिस हालत मिला है। लापता जवान की बाइक की डिक्की से नक्सली पर्चा मिलने की बात जवान के परिजनों ने कही है जब कि बस्तर आईजी ने इसके पीछे आपसी रंजीश की आशंका जाहिर की है। गौरतलब है कि 28 अप्रैल को कोड़ेकुर्से थाना में पदस्थ सहायक आरक्षक मनोज नेताम ड्यूटी से घरजाने निकला था, लेकिन वह घर नही पहुंचा, उसके बाद परिजनों ने थाने में सूचना दी और स्वयं भी तलाश शुरु कर दी। इस बीच जवान की बाइक भुरका के जंगलों के पास सड़क में मिली है। परिजनों का कहना है कि बाइक की डिक्की में एक पर्चा था जिसमे माओवाद जिंदाबाद का नारा लिखा था। साथ ही पुलिस मुखबिरी नहीं करने की बात भी लिखी थी। हालांकि पुलिस ने नक्सल अपहरण मामले में अब तक कुछ नही कहा है। पुलिस का कहना है कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। पूरे मामले में बस्तर आईजी सुंदरराज पी. का कहना है मामला आपसी रंजिश का लग रहा है। तीन संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है जिनसे पूछताछ जारी है।

न समझे खुद को बेबस और लाचार, मदद के लिए अमित की टीम है तैयार

रायपुर (आरएनएस)। कहते हैं भगवान कहीं और नहीं बल्कि इसी धरती पर ही है। वे किसी न किसी रूप में लोगों के सामने मदद के लिए आ जाते हैं। यह कहानी भी कुछ ऐसी है। किसी की उखड़ती सांसो के बीच मदद के रूप में ऑक्सीजन सिलेण्डर मिल जाए, इलाज के लिए अस्पताल जाने तरसते किसी मरीज को एम्बुलेंस मिल जाए और गरीब, असहाय, बेबस तथा लाचार को अपने किसी परिजन के अंत्येष्टि के लिए लकड़ी की व्यवस्था न होने पर सूखी लकड़ी सहित अन्य मदद मिल जाए तो निश्चित ही इससे बड़ा महान और पुण्य कार्य हो नहीं सकता। संकट के दौर में जरूरतमंदों को एम्बुलेंस, ऑक्सीजन सिलेण्डर, ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर, दवाइयां सहित राहत और मदद पहुचाने वाली यह अमित नवरंगलाल और उसकी युवा टीम है। बचपन से ही हंचबैक से पीड़ित व शारीरिक रूप से पूरी तरह समर्थ न होते हुए भी रात हो या दिन, कोरोनाकाल में मदद के लिए अमित की टीम बेबस और लाचार लोगों की सहायता के साथ दुख में आंसू पोछने का कार्य एक मिशन के रूप में अंजाम दे रही है। यह कोरोनाकाल है और ज्यादातर जिलों में लॉकडाउन है, ऐसे में स्वाभाविक है कि महामारी के साथ बहुत लोगों की मुसीबतें बढ़ गई है। कोरोना संक्रमण के खतरों के बीच अपनों से लेकर कई रिश्तेदार भी मदद के लिए सामने नहीं आ पा रहे हैं। ऐसे में कोरबा जिले के युवा समाजसेवी अमित नवरंगलाल और उसकी युवा टीम अतिआवश्यक दवाइयों के साथ विषम परिस्थितियों में बेबस और लाचार लोगों की मदद में दिन-रात जुटे हैं।

पोते की सजगता से दादा-दादी ने कोरोना से जीती जंग

» टेस्ट कराकर सही समय पर लिया इलाज और आज पूरी तरीके से हो चुके हैं स्वस्थ

रायगढ़ । कोरोना संक्रमण के उपचार में समय से इलाज लेना काफी महत्वपूर्ण है। इसको लेकर शासन-प्रशासन द्वारा लगातार एडवाइजरी जारी कर कोरोना लक्षणों के प्रति सतर्क रहने और किसी भी प्रकार के लक्षण दिखने पर तत्काल टेस्ट करवा कर इलाज लेने की सलाह लगातार दी जा रही है। इन सलाहों को गंभीरता से लेते हुए एक पोते ने अपने दादा दादी को कोरोना के लक्षण दिखने पर न सिर्फ तत्काल टेस्ट करवाया बल्कि समय से इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवा दिया। जिसका परिणाम ये रहा कि वे सफल उपचार के बाद बिल्कुल स्वस्थ हो चुके हैं।

धरमजयगढ़ विकासखण्ड के छाल पुरूंगा निवासी 70 वर्षीय सोनू नाथ पटेल को बीते 9 अप्रैल को खांसी आयी एवं गला सूखने लगा एवं उनकी पत्नी श्रीमती कौशिल्या पटेल को सर्दी, खासी हुई एवं खानें में कुछ भी स्वाद नहीं आया तो सोनू नाथ पटेल के नाती 21 वर्षीय नंदकुमार पटेल ने जागरूकता दिखाई और बिना देरी किये दादा-दादी का 10 अप्रैल को कोरोना टेस्ट करवाया तब पता चला कि दोनों पाजिटिव है। 11 अप्रैल को उन्हें रायगढ़ के मेडिकल कालेज लाया गया और डॉक्टरों द्वारा उनका इलाज शुरू कर दिया गया। सोनू नाथ पटेल शुगर बीमारी से भी ग्रसित है। शुरू दिन तो उनका ऑक्सीजन लेवल भी कम रहा। जिससे उन्हें ऑक्सीजन थेरेपी भी देनी पड़ी। डॉक्टरों के बेहतर इलाज से उनका ऑक्सीजन लेवल दो दिन में रिकवर हो गया। वहीं उनकी पत्नी श्रीमती कौशिल्या पटेल के लक्षण सामान्य थे। दोनों की स्थिति में सुधार देखकर डॉक्टरों ने उन्हें पांच दिनों बाद होम आईसोलेशन की सलाह देते हुये अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया। आज उन्होंने होम आईसोलेशन की अवधि भी पूरी कर ली है और वे दोनों पूरी तरह से स्वस्थ है।

आज इस बीमारी को हराने के बाद सोनू नाथ कहते हैं कि कोरोना के लक्षणों को लेकर सतर्क रहना है। सर्दी, खांसी, बुखार, बदन दर्द, उल्टी, दस्त हो तो तत्काल टेस्ट कराकर इलाज शुरू कर देना चाहिए। जितनी जल्दी इलाज शुरू होगा दवाइयां मिलेंगी तो उतनी जल्दी शरीर से संक्रमण नियंत्रित होना शुरु होगा। उन्होंने कहा कि हमारे पोते ने सजगता दिखायी जिसकी बदौलत हम इस मुश्किल बीमारी से आसानी से उबर गए। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट की इस घड़ी में हमें धैर्य व हिम्मत के साथ सजग रहना होगा। अगर किसी के शरीर में कोरोना के लक्षण आ भी जाते है तो वे घबराये नहीं। बिना देरी किये टेस्ट करवा लें, इलाज करवाएं और बताए जा रहे एहतियात के पालन करें तो कोरोना को आसानी से हराया जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com RNI NO :- CHHHIN/2018/76480